संस्कृत विभाग
दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
सम्राट् अशोक एवं उनके धम्म का भारतीय एवं विश्व साहित्य पर प्रभाव
6-7 मार्च, 2025

कार्यक्रम	द्वि दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
दिनांक	**6-7 मार्च , 2025**
समय	प्रातः **10-00** से शाम **5** बजे तक
स्थान	सभा कक्ष
सम्मेलन विषय	सम्राट् अशोक एवं उनके धम्म का भारतीय एवं विश्व साहित्य पर प्रभाव'

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा आई. क्यू. एक. सी. के संयुक्त तत्त्वाधान में 6 एवं 7 मार्च 2025 को 'सम्राट् अशोक एवं उनके धम्म का भारतीय एवं विश्व साहित्य पर प्रभाव' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें न केवल देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए अतिथियों में भाग ग्रहण किया अपितु श्रीलंका, वियतनाम, बर्मा (म्यांमार) एवं थाईलैंड, इन चार देशों से आए शोधार्थी एवं प्राध्यापकों ने अपना शोध प्रस्तुत करते हुए अपनी प्रतिभागिता दी, फलस्वरूप संस्कृत विभाग केलनिया विश्वविद्यालय कोलंबो के साथ हुए समझौता ज्ञापन (MOU) का माध्यम एवं साक्षी बना।

प्रथम दिवस
6-3-25
उद्घाटन सत्र
सत्र संचालन --डॉ. तनुजा रावल
सत्र रिपोर्ट- डॉ तनुजा रावल

इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का आरंभ 6 मार्च 2025 को महाविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में यथा समय 10:00 बजे हुआ। सत्र के आरंभ में संगीत विभाग की छात्राओं ने महाविद्यालय की प्रार्थना तथा विश्वविद्यालय के कुलगीत गया। इसके पश्चात् महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर स्वाति पाल महोदय द्वारा मंच पर आसीन मुख्य अतिथियों का पुष्पधनिका, स्मृति चिहन तथा सम्मान स्वरूप शॉल द्वारा स्वागत सत्कार एवं सम्मान किया गया।

वक्तव्यों के आरंभ से पूर्व विषय का बीज न्यास सम्मेलन के समन्वयक डॉ राजेंद्र ने किया। उन्होंने अशोक के शिलालेखों तथा उनकी विशेषताओं पर संक्षेप में प्रकाश डाला। इसके पश्चात् महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर स्वाति पाल महोदया ने संस्कृत विभाग एवं आयोजकों को इस सम्मेलन के लिए शुभकामनाएं दी तथा अशोक पर विभिन्न भाषाओं में लिखित साहित्य, कविताओं तथा चलचित्रों पर प्रकाश डालते हुए अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। अगला वक्तव्य जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रामचंद्र महोदय का था उन्होंने बताया कि अशोक का धम्म कोई रिलिजन नहीं है अपितु नैतिकता पर आधारित है। उन्होंने अशोक द्वारा स्तूपों के निर्माण पर विशेष चर्चा की। उन्होंने स्तम्भ निर्माण के विषय में बताया कि किस प्रकार एक चट्टान से एक स्तंभ बनाया जाता था। एक ही स्थान पर चट्टानों से इस प्रकार स्तंभ बनाकर उन्हें विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सुरक्षित ले जाया जाता था। ऐसे 30 धार्मिक स्थलों पर प्राप्त होने वाले स्तंभों के विषय में प्रोफेसर रामचंद्र ने सभा को विशेष जानकारी दी। उन्होंने अशोक के धम्म की अशोक के पश्चात् राज्याश्रय न मिलने के कारण कमजोर अवस्था पर भी प्रकाश डाला। सत्र का अंत संस्कृत विभाग की अध्यक्षा डॉ. ज्योति के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

बीज वक्तव्य सत्र
सत्र संचालन-डॉ हर्षबाला
दिनांक**: 06** मार्च **2025**
समय**:** प्रातः **10:30** बजे
सत्र रिपोर्ट -डॉ हर्षबाला

बीज वक्तव्य सत्र में प्रमुख वक्ता के रूप में प्रो. वाई. एस. अलोने, प्रोफेसर, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड एस्थेटिक्स, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली का स्वागत किया तथा उनके द्वारा बीज वक्तव्य रुप में उन्होंने अपनी विचारोत्तेजक प्रस्तुति दी। उन्होंने बुद्ध के पाली साहित्य के अन्य साहित्य के प्रभाव की चर्चा बुद्ध के समकालीन परिप्रेक्ष्य पर अनेक ग्रंथों के संदर्भ सहित विस्तारपूर्वक चर्चा की, अशोक के शिलालेखों की विशेषताएं बताते हुए उनकी प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि यह शिलालेख इतिहास रचना में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने शिलालेखों में लिपि और उनके व्याकरण के महत्त्व को दर्शाते हुए खरोष्ठी लिपि की प्रशंसा की। उनके विचारों ने प्रतिभागियों को नए दृष्टिकोणों से सोचने के लिए प्रेरित किया।

इस सत्र की अध्यक्षता प्रो. स्वाति पाल, प्राचार्या एवं प्रोफेसर, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, नई दिल्ली ने की। उन्होंने वक्तव्य के पश्चात अपने विचार साझा किए और प्रो. अलोने के चिंतन को और भी व्यापक संदर्भ में रेखांकित किया, समग्र रूप से यह सत्र ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं विचारोन्मुखी रहा। अन्त में डॉ हर्षबाला द्वारा प्रमुख वक्ता प्रोफेसर वाई. एस. अलोने एवं सत्र अध्यक्षा प्रो. स्वाति पाल, प्राचार्या महोदया के धन्यवाद के साथ सत्र का समापन किया गया।

प्रथम दिवस के प्रथम सत्र
सत्र संचालन-अभिनव मिश्रा
सत्र रिपोर्ट-अनुराधा गोस्वामी

प्रो. अमिता चरण ने अशोक के धम्म की प्रासंगिकता पर बात की, जो न केवल समावेशी स्वभाव का था, बल्कि लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था के लिए एक मंच तैयार करने वाला भी सिद्ध हुआ। उन्होंने अंत में

अपील की कि आज के भारत में भी हमें लोकतंत्र और समावेशिता के उन्हीं मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता है।

डॉ. सौरभ जी ने अपने व्याख्यानों में इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत प्राचीन काल से ही अशोक के मानव केंद्रित मूल्यों का पालन करता आया है। उन्होंने स्वतंत्र भारत का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार अशोक के राष्ट्रीय प्रतीक को भारत के राष्ट्रीय प्रतीक के रूप में अपनाया गया। उन्होंने सफलतापूर्वक यह दिखाया कि अशोक के धम्म का प्रभाव केवल भारत तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने भारत के बाहर के लोगों को भी प्रेरित किया।

सत्र की अध्यक्षता कर रहे प्रो. जयवर्धन ने अपनी समापन टिप्पणी में हिंदी साहित्य पर ध्यान केंद्रित किया और उन विभिन्न साहित्यिक व्यक्तित्वों का उल्लेख किया जिन्होंने बुद्ध और अशोक के प्रभाव को अपने लेखन में प्रस्तुत किया।

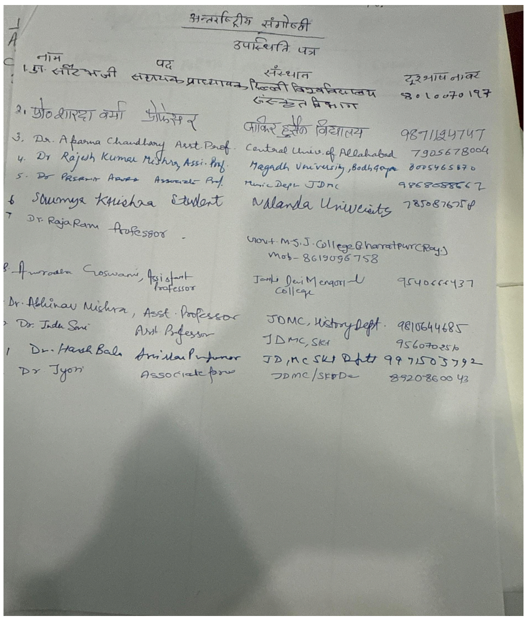

अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
उपस्थिति पत्र

नाम	पद	संस्थान	दूरभाष नम्बर
1. डा. सौरभ जी	सहायक प्राध्यापक	दिल्ली विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग	8010070197
2. प्रो० शारदा वर्मा	प्रोफेसर	जाकिर हुसैन विद्यालय	9871124747
3. Dr. Aparna Chaudhary	Asst. Prof.	Central Univ. of Allahabad	7905678004
4. Dr Rajesh Kumar Mishra	Assi. Prof.	Magadh University, Bodhgaya	8005465870
5. Dr [illegible]	Associate Prof.	Music Dept JDMC	9868088667
6 Soumya Krishna	Student	Nalanda University	7850876758
7 Dr. Raja Ram	Professor	Govt. M.S.J. College Bharatpur (Raj.) Mob- 8619096758	
8. Anuradha Goswami	Assistant Professor	Janki Devi Memorial College	9540666437
Dr. Abhinav Mishra	Asst. Professor	JDMC, History Dept.	9810644685
Dr. Indu Soni	Asst. Professor	JDMC, Skt	9560702510
Dr. Harsh Bala	Assistant Professor	JDMC Skt Deptt	9971505792
Dr Jyoti	Associate Prof	JDMC/SKT Dept	8920860043

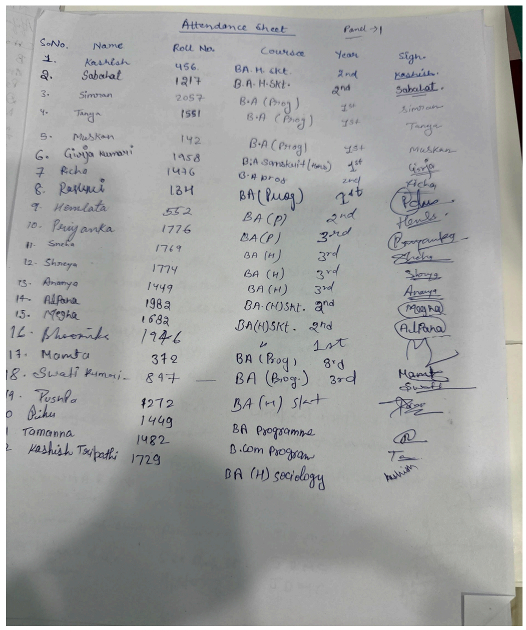

Attendance Sheet Panel -> 1

S.No.	Name	Roll No.	Course	Year	Sign.
1.	Kashish	456	BA. H. Skt.	2nd	Kashish
2.	Sabahat	1217	B.A. H. Skt.	2nd	Sabahat
3.	Simran	2057	B.A (Prog)	1st	Simran
4.	Tanya	1551	B.A (Prog)	1st	Tanya
5.	Muskan	142	B.A (Prog)	1st	Muskan
6.	Girija Kumari	1958	B.A Sanskrit (Hons)	1st	Girija
7	Richa	1476	B.A prog	2nd	Richa
8.	Rashmi	134	BA (Prog)	1st	[illegible]
9.	Hemlata	552	BA (P)	2nd	Hemlata
10.	Priyanka	1776	BA (P)	3rd	Priyanka
11.	Sneha	1769	BA (H)	3rd	Sneha
12.	Shreya	1774	BA (H)	3rd	Shreya
13.	Ananya	1449	BA (H)	3rd	Ananya
14.	Alpana	1982	BA (H) Skt.	2nd	Megha
15.	Megha	1682	BA (H) Skt.	2nd	Alpana
16.	Bhoomika	1946	"	1st	[illegible]
17.	Mamta	372	BA (Prog)	3rd	Mamta
18.	Swati Kumari	847	BA (Prog.)	3rd	Swati
19.	Pushpa	1272	BA (H) Skt		[illegible]
20	Pihu	1449			
21	Tamanna	1482	BA Programme		[illegible]
22	Kashish Tripathi	1729	B.Com Program		Ta
			BA (H) sociology		Kashish

प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र
सत्र सञ्चालन - डॉ. विजय कुमार बदेतिया
सत्र रिपोर्ट – डॉ. ज्योति

संस्कृत विभाग द्वारा वैश्विक तथा भारतीय साहित्य पर सम्राट अशोक एवं उनके धम्म का प्रभाव विषय पर आयोजित द्विदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र में डॉ. राजकुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ल्ली विश्वविद्यालय, की अध्यक्षता में संपन्न इस सत्र में सबसे पहले नालंदा विश्वविद्यालय में कार्यरत डॉ. धम्म रतन, नालंदा विश्वविद्यालय ने संघसेन द्वारा रचित बुद्धोदय काव्य पर प्रकाश डाला। 100 सर्गों में रचित इस काव्य में सम्राट अशोक के ज्ञान, शील, दान और अन्य गुणों की विस्तृत चर्चा की ।

द्वितीय प्रतिभागी के रूप में यू बी अनुपमा, जो केलानिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका में कार्यरत हैं, ने अशोक कालीन स्थापत्य कला और शिल्प कला पर प्रस्तुति दी, जिसमें स्तूपों और धर्मस्तंभों के विशद विवरण के साथ इन कृतियों की धार्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि का भी वर्णन किया गया।
तीसरी प्रतिभागी ह्युम थी बिक लहँ, बोद्ध विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय की शोधछात्रा रहीं जिन्होंने मौर्य कालीन प्रशासनिक, राजनीतिक और शैक्षिक व्यवस्था पर अत्यंत रोचक विवरण प्रस्तुत किया और यह बताया कि आधुनिक समय में इन व्यवस्थाओं की प्रासंगिकता किस प्रकार बनी हुई है।
सत्र का संचालन डॉ. विजय कुमार बदेतिया, सहायक आचार्य- राजनीति विभाग,जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय द्वारा किया गया तथा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन एवं समूह चित्र के साथ सत्र संपन्न हुआ।

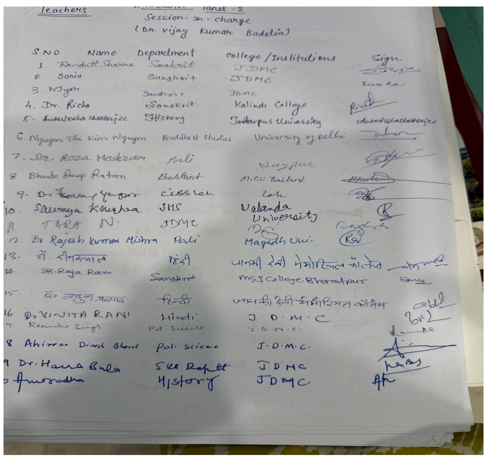

Teachers — Panel - 2
Session - In - charge
(Dr. Vijay Kumar Badelia)

S.NO	Name	Department	College/Institutions	Sign.
1	Ravidutt Sharma	Sanskrit	JDMC	
2	Sonia	Sanskrit	JDMC	
3.	Dr Jyoti	Sanskrit	JDMC	
4.	Dr. Richa	Sanskrit	Kalindi College	
5.	Antariksha Chatterjee	History	Jadavpur University	
6.	Nguyen Thi Kim Nguyen	Buddhist Studies	University of Delhi	
7.	Dr. Roza Meshram	Pali	Nagpur	
8	Bhante Deep Ratan	Buddhist	M.C.U. Thailand.	
9.	Dr [illegible]	CIBS Leh	Leh	
10.	Saumya Krishna	SHS	Nalanda University	
11	TARA N.	JDMC		
12.	Dr Rajesh Kumar Mishra	Pali	Magadh Uni.	
13.	डॉ. दीनदयाल	हिंदी	जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज	
14	DR. Raja Ram	Sanskrit	MSJ College Bharatpur	
15.	डॉ० राहुल प्रसाद	हिन्दी	जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज	
16.	Dr VINITA RANI	Hindi	J.D.M.C	
17.	Renuka Singh	Pol. Science	J.D.M.C.	
18	Ahirrao Dinesh Bharat	Pol. Science	J.D.M.C.	
19	Dr. Hema Bala	Skt Deptt	JDMC	
20	Anuradha	History	JDMC	

।

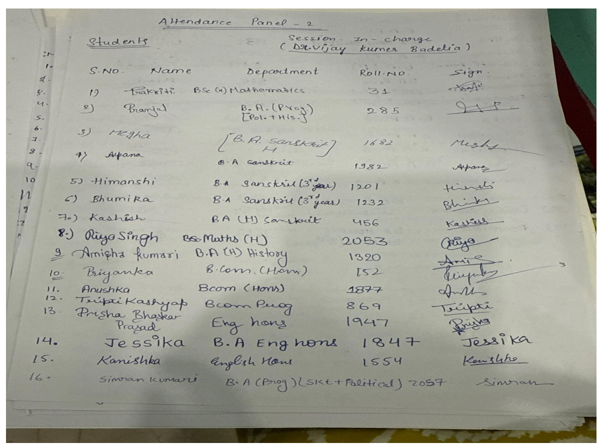

Attendance Panel - 2
Students
Session - In - charge
(Dr. Vijay Kumar Badelia)

S.NO.	Name	Department	Roll.NO.	Sign.
1)	Prakriti	BSc (H) Mathematics	31	
2)	Pranjal	B.A. (Prog.) [Pol.+His.]	285	
3)	Megha	[B.A. Sanskrit H]	1682	Megha
4)	Arpana	B.A Sanskrit	1982	Arpana
5)	Himanshi	B.A Sanskrit (3rd year)	1201	Himanshi
6)	Bhumika	B.A Sanskrit (3rd year)	1232	Bhumika
7.)	Kashish	BA (H) Sanskrit	456	Kashish
8.)	Riya Singh	BSc Maths (H)	2053	Riya
9	Amisha Kumari	B.A (H) History	1320	
10	Priyanka	B.Com. (Hons)	152	Priyanka
11.	Anushka	Bcom (Hons)	1877	
12.	Tripti Kashyap	Bcom Prog	869	Tripti
13.	Prisha Bhaskar Prasad	Eng hons	1947	Prisha
14.	Jessika	B.A Eng hons	1847	Jessika
15.	Kanishka	English Hons	1554	Kanishka
16.	Simran Kumari	B.A (Prog) (Skt + Political)	2057	Simran

तृतीय सत्र
3.30 दोपहर
सत्र संचालन - अनुराधा गोस्वामी
सत्र रिपोर्ट- डॉ**.** तनुजा रावल

सम्मेलन के प्रथम दिवस के तृतीय सत्र का आरंभ दोपहर 3:30 पर हुआ। इस सत्र की अध्यक्षता श्रीलंका देश के कैलिनिया विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर के. बी. जयवर्धने ने की।
सत्र का प्रथम पत्रवाचन लद्दाख के 'सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ़ बुद्धिस्ट स्टडीज' के 'बोधि भाषा एवं साहित्य विभाग' के सहायक आचार्य डॉ टिसांग यंजोर ने किया। व्याख्यान का विषय था 'अशोक का नालंदा पर प्रभाव'। अपने व्याख्यान के आरंभ में स्वरचित कविता पाठ करके डॉक्टर यंजोर ने अपने उत्कृष्ट कवित्व का प्रमाण दिया। उन्होंने स्वयं से अधिक अन्यों को महत्त्व देने को ही बोधिचित् का वास्तविक अर्थ बताया। उन्होंने अपने व्याख्यान में छह प्रकार के हिम्स का उल्लेख किया, जिसमें यह बताया गया है कि लोगों पर दया किस प्रकार की जाए। साथ ही इस प्रकार की नीतियो का वर्णन करने वाले बृहद् साहित्य पर प्रकाश डाला जिसके 108 तथा 225 संस्करण तैयार किए गए।
द्वितीय पत्र वाचन डॉ चंपालाल मंड्रेले ने किया जो कि उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के 'सम्राट अशोक सुभारती इंस्टिट्यूट ऑफ बुद्धि स्टडीज़' के अध्यक्ष हैं। उन्होंने कलिंग युद्ध के पश्चात् अशोक ने किस प्रकार महात्मा बुद्ध की शिक्षाओं एवं धम्म का प्रचार एवं प्रसार किया यह बतलाया। सम्राट् अशोक ने बौद्ध धर्म

का प्रचार करने के लिए विदेशों में मिशनरी भेजें, स्तंभों पर अहिंसा, दया एवं करुणा भाव के प्रसार के लिए लेख लिखवाए। डॉ मंड्रेले ने बताया कि अशोक केवल नैतिकता पर आधारित लेख लिखवाने तक ही सीमित नहीं रहे, अपितु बुद्ध की उन शिक्षाओं का पालन हो, इसके लिए उन्होंने विभिन्न अधिकारी भी नियुक्त किया। अशोक ने अहिंसा एवं करुणा को मुख्य आधार बनाकर धम्म का प्रचार एवं प्रसार किया।
अंत में प्रोफेसर के. बी. जयवर्धने महोदय के अध्यक्षीय भाषण से सत्र का समापन हुआ। प्रोफेसर जयवर्धने ने दोनों वक्ताओं के व्याख्यानों पर अपना मत प्रस्तुत किया एवं सुझाव भी दिए। साथ ही सम्राट अशोक के धम्म पर अपने विचार भी प्रस्तुत किए। डॉ. तनुजा रावल ने रैपोर्टियर के रूप में संपूर्ण सत्र का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।

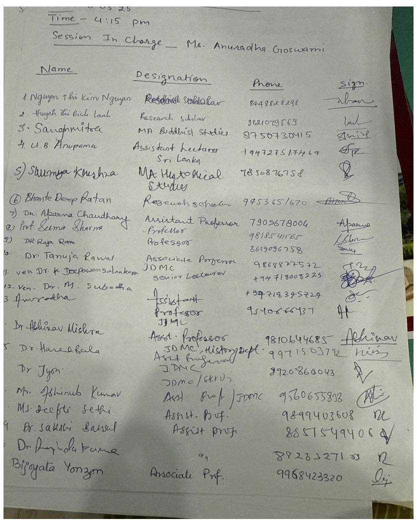
Time – 4:15 pm
Session In Charge – Ms. Anuradha Goswami

Name	Designation	Phone	Sign.
1. Nguyen Thi Kim Nguyen	Research Scholar	8448828298	
2. Huynh Thi Bich Lanh	Research Scholar	9821079569	
3. Sanghmitra	MA Buddhist Studies	8750730415	
4. U.B Anupama	Assistant Lecturer Sri Lanka	+94727517469	
5) Saumya Krishna	MA Historical Studies	7850876758	
(6) Bhante Deep Ratan	Research scholar	9453651670	
7) Dr. Aparna Chaudhary	Assistant Professor	7905678004	
8) Prof. Seema Sharma	Professor	9818541565	
9) DR. Raja Ram	Professor	8619096758	
10. Dr Tanuja Rawal	Associate Professor JDMC	9868877572	
11. Ven Dr. K. Deepawansalankara	Senior Lecturer	+94718008225	
12. Ven. Dr. M. Subodha		+94718345729	
13 Anuradha	Assistant Professor JDMC	9540666437	
Dr Abhinav Mishra	Asst. Professor JDMC, History Dept.	9810644685	
Dr. Hareshbala	Asst Professor JDMC	9971503792	
Dr Jyoti	JDMC/SKKD	8920860043	
Mr. Abhinab Kumar	Asst. Prof / JDMC	9560655898	
Ms. Deepti Sethi	Assist. Prof.	9899403608	
Dr. Sakshi Bansal	Assist. Prof.	8851549406	
Dr Rajinder Kumar	"	8828327103	
Bijoyata Yonzon	Associate Prof.	9968423320	

अंतिम सत्र के उपरांत अतिथियों के लिए एक संस्कृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया

सांस्कृतिक कार्यक्रम रिपोर्ट
स्थान**:** कॉलेज ऑडिटोरियम **(**जे डी एम सी**)**
समय **4:30** से **5:30** सायं

कॉलेज ऑडिटोरियम में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें तीन प्रमुख सांस्कृतिक समितियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया।

1. शास्त्रीय संगीत समिति – सारंग (Sarang)
कार्यक्रम की शुरुआत 'सारंग' समिति द्वारा प्रस्तुत मधुर शास्त्रीय संगीत से हुई। समिति के विद्यार्थियों ने राग आधारित गायन प्रस्तुत कर श्रोताओं को भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहराई से अवगत कराया। उनकी प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।
2. शास्त्रीय नृत्य समिति – नूपुर (Nupur)
'नूपुर' समिति द्वारा प्रस्तुत भरतनाट्यम व कथक नृत्य ने मंच पर जीवंतता ला दी। पारंपरिक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों ने नृत्य की मुद्राओं व तालों के माध्यम से संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

3. शास्त्रीय नृत्य समिति – झंकार (Jhankar)
'झंकार' समिति द्वारा प्रस्तुत नृत्य में ओडिसी व कुचिपुड़ी जैसे भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों का अद्भुत समावेश देखने को मिला। उनकी लयबद्ध और भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों को तालियों के साथ सराहना करने पर विवश कर दिया।
कार्यक्रम का समापन सभी प्रतिभागी छात्रों को धन्यवाद व प्रोत्साहन के साथ हुआ। इस सांस्कृतिक संध्या ने न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि भारतीय शास्त्रीय कला की गरिमा को भी पुनः स्थापित किया।

द्वितीय दिवस प्रथम सत्र
सत्र संचालन - डॉ इंदु सोनी
सत्र रिपोर्ट - डॉ अभिनव मिश्रा
10-15 से **11-45**

प्रस्तुत सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर शारदा वर्मा, प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (प्रातःकालीन), नई दिल्ली द्वारा की गई। सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित विद्वानों ने सहभागिता की।
इस सत्र के वक्ता इस लेकर रहें
वेन. फ्रहमह नीरान चुआचिट, व्याख्याता, बाली स्टडीज़ कॉलेज, वाट सैम फ्राया, बैंकॉक, थाईलैंड, डॉ. संतोष कुमार, उप कुलसचिव, दिल्ली स्किल एंड एंटरप्रेन्योरशिप यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, डॉ. मेघ राजसहायक प्रोफेसर, विधि विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, सभी ने मुख्य विषय संबंधी अपने विचार साझा किए। सत्र के रैपोर्टर के रूप में डॉ. अभिनव मिश्रा ने सत्र की महत्वपूर्ण बिंदुओं का संक्षिप्त सार प्रस्तुत किया।
सत्र का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया जिसमें सभी वक्ताओं के योगदान की सराहना की गई। यह सत्र विषय-वस्तु की दृष्टि से अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं विचारोत्तेजक रहा।

द्वितीय दिवस द्वितीय सत्र
07 मार्च **2025**
सत्र संचालन डॉ**.** विकास सिंह
समय- प्रातः **11:45** से अपराहन
सत्र रिपोर्ट-डॉ**.** हर्ष बाला

इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. ज्योति, एसोसिएट प्रोफेसर एवं शिक्षक प्रभारी, संस्कृत विभाग, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, के द्वारा की गई।
इस सत्र में विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से पैनलिस्ट्स ने सहभागिता की, जिनमें शामिल थे:
डॉ. रोज़ा मेशराम, सहायक प्रोफेसर, संदेश आर्ट्स कॉलेज, सिरसी, उमरेड, नागपुर, महाराष्ट्र जिन्होंने सम्राट अशोक एवं पाली त्रिपिटक का साहित्य एवं महत्व पर चर्चा की।
धम्मदीप वानखड़े ने contribution of Ashok to Pali literature विषय पर अपना पत्र प्रस्तुत किया।
सुश्री स्वयंप्रभा अर्जुन , शोधार्थी, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अशोक के अभिलेखों में काल गणना पर अपना सारगर्भित पत्र प्रस्तुत किया।

श्री सौम्य कृष्ण, नालंदा विश्वविद्यालय, राजगीर ने आधुनिक युग में अशोक केप्रभुत्व में मीडिया का योगदान
अनुज तिवारी ने पाली साहित्य मे सम्राट अशोक विषय पर चर्चा की ।
सत्र के अंत में, डॉ. ज्योति ने सभी वक्ताओं के योगदान की सराहना करते हुए सारगर्भित समापन भाषण दिया। डॉ. हर्ष बाला ने रैपोर्टियर के रूप में संपूर्ण सत्र का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया।
यह पैनल चर्चा अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं विमर्श-प्रधान रही, जिसमें विभिन्न विचारों का आदान-प्रदान हुआ और श्रोताओं को चिंतन के लिए प्रेरित किया।

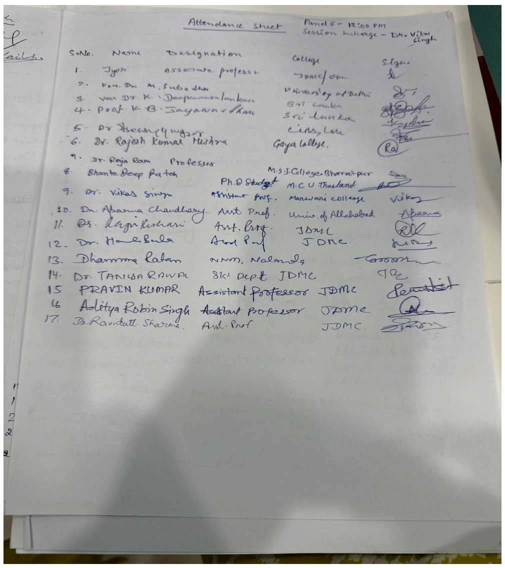 । 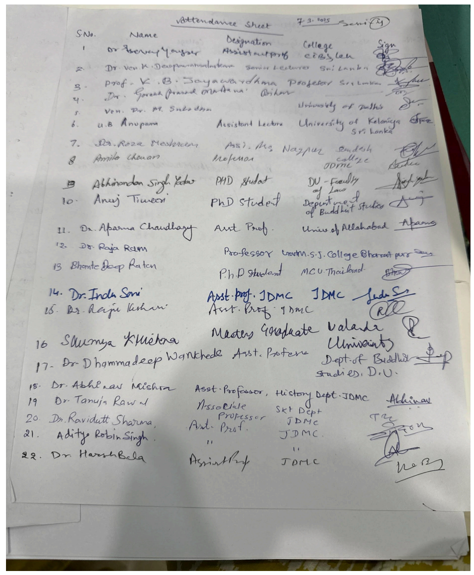

द्वितीय दिवस तृतीय सत्र
07 मार्च 2025
सत्र संचालन डॉ. ऋचा शर्मा
समय- दोपहर 3:00 बजे तक
सत्र रिपोर्ट-डॉ. रविदत्त शर्मा
इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. कंडेगम दीपवनसालंकार थेर ने की। सत्र का आरंभ राजा राम जी के वक्तव्य से हुआ।
श्रीमान दीपरल ने महात्मा बुद्ध के समाज निर्माण से संबंधित उपदेशों के माध्यम से समाज के शिक्षण की विचारशील प्रस्तुति दी।
डॉ. अपर्णा चौधरी ने *Culture, Connectivity और Commerce* के महत्त्व पर प्रकाश डाला।
डॉ. विकास सिंह ने तृतीय शताब्दी के ग्रंथ *अशोकवदान* तथा विदेशों में बौद्ध साहित्य की उपस्थिति पर विस्तृत चर्चा की।
इसके पश्चात वेन न्यून थी किंग न्यून जी ने कलिंग युद्ध के पश्चात सम्राट अशोक द्वारा अपनाई गई अहिंसा, करुणा एवं नैतिक मूल्यों पर सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए। डॉ. सुष्मिता जी ने बुद्ध के उपदेशों की गुरु-शिष्य परंपरा, आचार-व्यवहार तथा *दीपवंश* ग्रंथ के माध्यम से देश-काल का वर्णन करते हुए विश्लेषणात्मक चर्चा की।सत्र के रिपोर्टियर डॉ रविदत्त शर्मा ने सत्र की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की ।सत्र का समापन डॉ. कंडेगम दीपवनसालंकार थेर के अध्यक्षीय उद्बोधन एवं वक्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

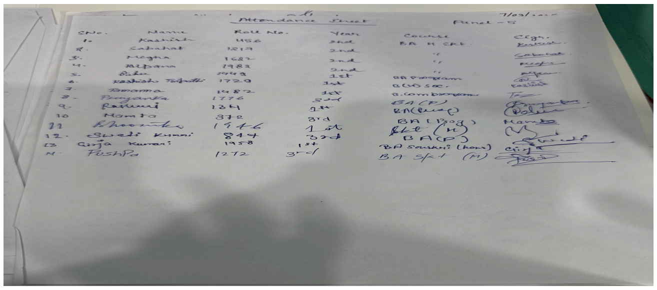

समापन सत्र
सत्र संचालन-डॉ तनुजा रावल
समय **4.00** सायं

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र का आयोजन 7 मार्च 2025 को दोपहर 3:30 पर हुआ। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर उपेंद्र राव महोदय। इस सत्र की अध्यक्षता श्रीलंका के कैलिनिया विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर के. बी. जयवर्धने ने की। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर स्वाति पाल महोदया ने स्मृति चिह्न एवं पुष्प धनिका से मंचासीन दोनों अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रोफेसर राव ने अपनी व्याख्यान में अशोक द्वारा आयोजित तीनों महासभाओं तथा दीपवंश एवं महावंश साहित्य का विशद वर्णन किया। उन्होंने अशोक के शिलालेखों का आंखों देखा एवं विस्तारपूर्ण वर्णन किया तथा शिलालेखों, स्तंभों एवं स्तूपों के प्रत्यक्षद्रष्टा के रूप में अपने अनुभव भी सांझा किए। उन्होंने पालि भाषा की विशेषताओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि अशोक का जीवन किस प्रकार संघर्ष पूर्ण रहा। अशोक को राजा बनने के लिए कठिन परिश्रम एवं संघर्ष करना पड़ा। उनका व्याख्यान अत्यंत रुचिकर एवं ज्ञानवर्धक रहा। इसके पश्चात् के. बी. जयवर्धने महोदय ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि श्रीलंका में संस्कृत एवं हिंदी शब्दों की बहुतायत है। उन्होंने जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय के संस्कृत विभाग को इस सम्मेलन के सफल आयोजन की बधाई दी।
सम्मेलन के कन्वीनर डॉ राजेंद्र के धन्यवाद ज्ञापन से सत्र का अंत हुआ।

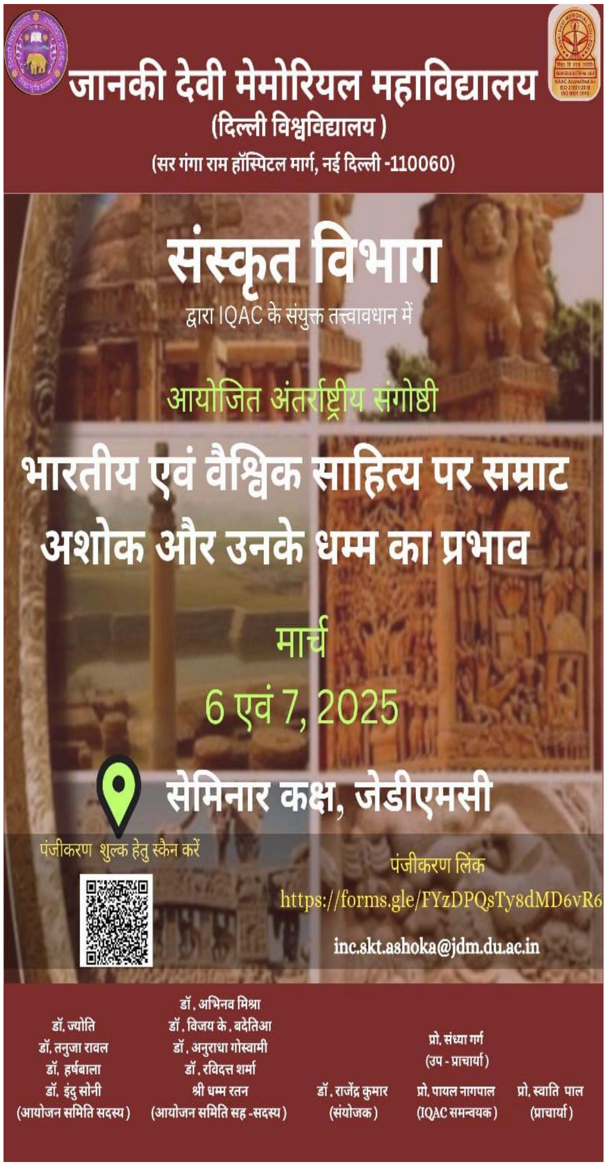

जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)
(सर गंगा राम हॉस्पिटल मार्ग, नई दिल्ली -110060)
संस्कृत विभाग
द्वारा IQAC के संयुक्त तत्त्वावधान में
आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी
भारतीय एवं वैश्विक साहित्य पर सम्राट अशोक और उनके धम्म का प्रभाव
मार्च
6 एवं 7, 2025
सेमिनार कक्ष, जेडीएमसी
पंजीकरण शुल्क हेतु स्कैन करें
पंजीकरण लिंक
https://forms.gle/FYzDPQsTy8dMD6vR6
inc.skt.ashoka@jdm.du.ac.in
डॉ. ज्योति
डॉ. तनुजा रावल
डॉ. हर्षबाला
डॉ. इंदु सोनी
(आयोजन समिति सदस्य)
डॉ . अभिनव मिश्रा
डॉ . विजय के . बदेतिआ
डॉ . अनुराधा गोस्वामी
डॉ . रविदत्त शर्मा
श्री धम्म रतन
(आयोजन समिति सह -सदस्य)
डॉ . राजेंद्र कुमार
(संयोजक)
प्रो. संध्या गर्ग
(उप - प्राचार्या)
प्रो. पायल नागपाल
(IQAC समन्वयक)
प्रो. स्वाति पाल
(प्राचार्या)

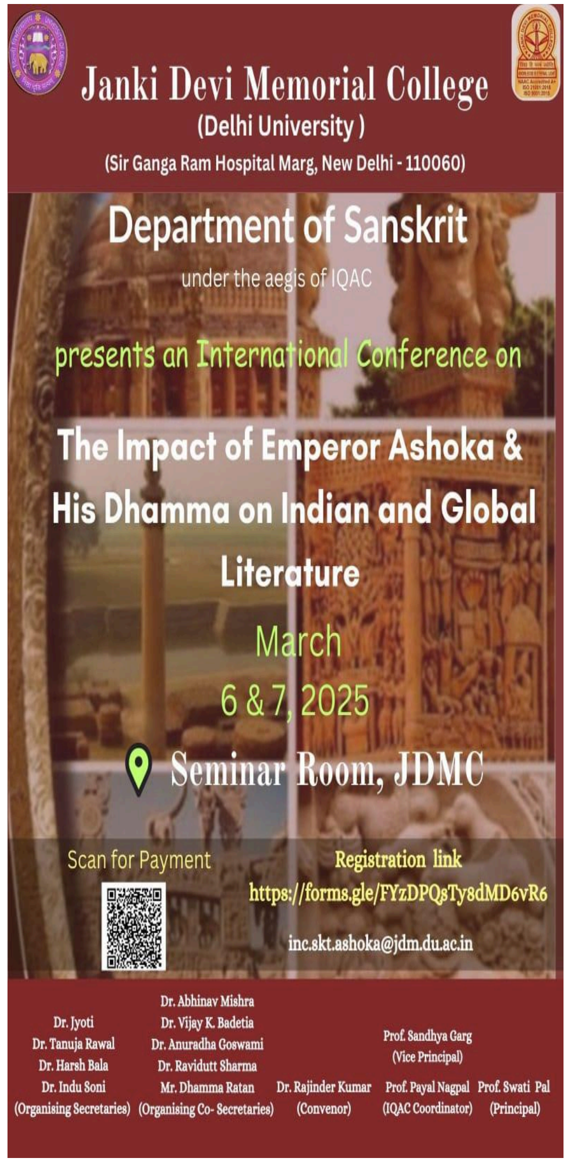

Janki Devi Memorial College
(Delhi University)
(Sir Ganga Ram Hospital Marg, New Delhi - 110060)
Department of Sanskrit
under the aegis of IQAC
presents an International Conference on
The Impact of Emperor Ashoka & His Dhamma on Indian and Global Literature
March
6 & 7, 2025
Seminar Room, JDMC
Scan for Payment
Registration link
https://forms.gle/FYzDPQsTy8dMD6vR6
inc.skt.ashoka@jdm.du.ac.in
Dr. Jyoti
Dr. Tanuja Rawal
Dr. Harsh Bala
Dr. Indu Soni
(Organising Secretaries)
Dr. Abhinav Mishra
Dr. Vijay K. Badetia
Dr. Anuradha Goswami
Dr. Ravidutt Sharma
Mr. Dhamma Ratan
(Organising Co- Secretaries)
Dr. Rajinder Kumar
(Convenor)
Prof. Sandhya Garg
(Vice Principal)
Prof. Payal Nagpal
(IQAC Coordinator)
Prof. Swati Pal
(Principal)

प्रथम दिवस
उद्घाटन समारोह

6 & 7 March, 2025

Janki Devi Memorial College
(University of Delhi)
Sir Ganga Ram Hospital Marg, New Delhi – 110060
Department of Sanskrit
(Under the aegis of IQAC)
Presents an
International Conference
on
"The Impact of Emperor Ashoka and His Dhamma on Indian and Global Literature"
6 & 7 March, 2025
Seminar Room, JDMC
Prof. Sandhya Garg
(Vice - Principal)
Prof. Payal Nagpal
(IQAC Coordinator)

प्रथम दिवस

Devi Memorial College
(University of Delhi)
Sir Ganga Ram Hospital Marg, New Delhi – 110060
Department of Sanskrit
(Under the aegis of IQAC)
6 & 7 March, 2025

द्वितीय दिवस

Janki Devi Memorial College
(University of Delhi)
Department of Sanskrit

Crossing Borders: Forging Bonds

सांस्कृतिक कार्यक्रम

समापन समारोह

Presents an
International Conference
on
"The Impact of Emperor Ashoka and His
Dhamma on Indian and Global Literature"
6 & 7 March, 2025
Venue – Seminar Room

आपातकालीन निकास
EMERGENCY EXIT

Department of